YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 16.02.2018

DAINIK JAGRAN

पाठ्यक्रम में बदलाव समय की मांग : प्रो.दिनेश

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) द्वारा निर्धारित इंजीनियरिंग के नए मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान एआइसीटीई हरियाणा प्रधान सचिव ज्योति अरोड़ा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थीं। राज्य सरकार मॉडल पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है, जो युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाएगा।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की प्रधान सचिव ज्योति अरोड़ा वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करती हुई, साथ में कुलपति प्रो .दिनेश कुमार

कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। एआइसीटीई द्वारा हाल ही में इंजीनियरिंग के स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए नया मॉडल पाठ्यक्रम जारी किया गया है। कार्यशाला का आयोजन नए मॉडल पाठ्यक्रम को लेकर बेहतर समझ बनाने और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से किया जा रहा है। एआइसीटीई से प्रो. राजीव कुमार कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित थे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम में बदलाव समय की मांग है। पाठ्यक्रम में नए बदलावों से विद्यार्थियों के साथ-साथ उद्योगों को भी लाभ होगा। प्रधान सचिव ज्योति अरोड़ा ने सभी विश्वविद्यालयों को मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि इसे आगामी शैक्षणिक सत्र से लागू किया जा सके।

प्रो. राजीव कुमार ने इंजीनियरिंग मॉडल पाठ्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया तथा एआइसीटीई द्वारा तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए किये जा रहे कार्यों पर चर्चा की, जिसमें पाठ्यक्रम में संशोधन, शिक्षक प्रशिक्षण, प्रेरक प्रशिक्षण कार्यक्रम, अनिवार्य इंटर्नशिप तथा परीक्षा सुधार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि परिषद परीक्षा सुधार की दिशा में कार्य कर रही है, जिस पर आवश्यक सुझाव देने के लिए कमेटी का गठन किया गया है। इसी प्रकार, तकनीकी शिक्षा के लिए भावी योजना के मानदंड तैयार करने पर भी कार्य किया जा रहा है।

PUNJAB KESARI

मॉडल पाठ्यक्रम से बढ़ेगी रोजगार क्षमता: ज्योति

राज्यस्तरीय कार्यशाला में प्रधान सचिव के उद्गार

फरीदाबाद, 15 फरवरी (ब्यूरो): हरियाणा सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग की की प्रधान सचिव ज्योति अरोड़ा ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम को तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि नया पाठ्यक्रम सभी प्रमुख इंजीनियरिंग क्षेत्रों में मौजूदा औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। राज्य सरकार मॉडल पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है जो युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाएगा।

प्रधान सचिव अरोड़ा आज वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की।एआईसीटीई द्वारा हाल ही में इंजीनियरिंग के ग्रेजुएट व पोस्ट-ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के लिए नया मॉडल पाठ्यक्रम जारी किया गया है और कार्यशाला का आयोजन नये मॉडल पाठ्यक्रम को लेकर बेहतर समझ बनाने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से किया गया। इस अवसर पर एआईसीटीई से प्रो. राजीव कुमार, सलाहकार-1 (पी व एपी) कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित थे।कार्यक्रम के उपरांत श्रीमती अरोडा ने विश्वविद्यालय में नैनो साइंस लैब का उद्घाटन किया तथा अनुसंधान कार्यों पर चर्चा की। प्रधान सचिव ने विश्वविद्यालय द्वारा मॉडल पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में पहल करने तथा नये मॉडल पाठ्यक्रम को लेकर बेहतर समझ बनाने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन करने की सराहना की।उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों को मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये ताकि इसे आगामी शैक्षणिक सत्र से लागू किया जा सके। मुख्य वक्तव्य में प्रो. राजीव कुमार ने इंजीनियरिंग मॉडल पाठ्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया तथा एआईसीटीई द्वारा तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए किये जा रहे कार्यों पर चर्चा की, जिसमें पाठ्यक्रम में संशोधन, शिक्षक प्रशिक्षण, प्रेरक प्रशिक्षण कार्यक्रम, अनिवार्य इंटर्नशिप तथा परीक्षा सुधार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि परिषद् परीक्षा सुधार की दिशा में कार्य कर रही है, जिस पर आवश्यक सुझाव देने के लिए कमेटी का गठन किया गया है। इसी प्रकार, तकनीकी शिक्षा के लिए भावी योजना के मानदंड तैयार करने पर भी कार्य किया जा रहा है।

कार्यशाला को संबोधित करतीं ज्योति अरोड़ा।

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 16 February 2018
epaper.punjabkesari.in//c/26295676

NEWS CLIPPING: 16.02.2018

HINDUSTAN

छात्र पहले तीन सप्ताह मौज-मस्ती करेंगे

इंजीनियरिंग

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

इंजीनियरिंग में दाखिला लेने वाले छात्र अब पहले तीन सप्ताह तक मौज मस्ती करेंगे। उन्हें तनाव मुक्त करने के लिए योग और इंडक्शन (प्रेरण) कक्षा भी लगाई जाएगी।

वहीं, प्रत्येक छात्रों को पढ़ाई के साथ खेल, सामाजिक गतिविधियां और प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना होगा। प्रत्येक छात्र को पढ़ाई के दौरान तीसरे और चौथे वर्ष के पाठ्यक्रम में अपना प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर कॉलेज को सौंपना होगा। अभी तक विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने वाले छात्रों को सिर्फ अंतिम वर्ष में प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना पड़ता था। यह जानकारी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के प्रो. राजीव कुमार, सलाहकार-1 (पी व एपी) ने गुरुवार को वाईएमसीए में आयोजित सेमीनार के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इसे अगस्त 2018 में शुरू होने वाले पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य इंजीनियरिंग के छात्रों को पढ़ाई के दौरान तनाव मुक्त करना है। कुछ छात्रों को उनके विषय की भी जानकारी नहीं होती है, वे अपने अभिभावकों के कहने पर पाठ्यक्रम को चुन लेते हैं। ऐसे में वह डिप्रेशन में जाते हैं। पढ़ाई के दबाव को कम करने के लिए रूटीन में अन्य गतिविधियों को शामिल किया गया है। वहीं, क्लास रूम में होने वाले पढ़ाई की अवधि को थोड़ा कम किया गया है। उसकी जगह अन्य गतिविधियों को शामिल किया गया है। उन्हें बताया कि इसे देश के विभिन्न राज्यों के करीब 15 प्रोफेसर ने विभिन्न जगहों का सर्वे कर तैयार किया है।

बदलाव

- तनाव मुक्त करने के लिए योग और प्रेरणा कक्षा लगेगी
- इसे अगस्त 2018 में शुरू होने वाले पाठ्यक्रम में शामिल किया

AMAR UJALA

'मॉडल पाठ्यक्रम तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण कदम'

फरीदाबाद। नया मॉडल पाठ्यक्रम सभी प्रमुख इंजीनियरिंग क्षेत्रों में मौजूदा औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। राज्य सरकार मॉडल पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध हैं। मॉडल पाठ्यक्रम तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण कदम है, जोकि युवाओं में रोजगार क्षमता को बढ़ाएगा। बृहस्पतिवार को हरियाणा की प्रधान सचिव तकनीकी शिक्षा ज्योति अरोड़ा ने यह बात कही। प्रधान सचिव वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। कार्यशाला के बाद प्रधान सचिव ने विश्वविद्यालय में नैनो साइंस लैब का उद्घाटन किया और अनुसंधान कार्यों पर चर्चा की। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। कार्यशाला में एआईसीटीई से प्रो. राजीव कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING: 16.02.2018

NAVBHARAT TIMES

वाईएमसीए ने कराई वर्कशॉप

■ **वरिष्ठ संवाददाता, फरीदाबाद** : इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में हरियाणा की प्रधान सचिव, तकनीकी शिक्षा ज्योति अरोड़ा ने कहा कि नया पाठ्यक्रम सभी प्रमुख इंजीनियरिंग क्षेत्रों में मौजूदा औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। राज्य सरकार मॉडल पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है जो युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाएगा। एआईसीटीई से प्रो. राजीव कुमार, सलाहकार-1 (पी व एपी) कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING: 16.02.2018

HADOTI ADHIKAR

वीरवार को वाईएमसीए विश्वविद्यालय में दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का उदघाटन करती प्रधान सचिव, तकनीकी शिक्षा ज्योति अरोड़ा।

मॉडल पाठ्यक्रम को तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदमः ज्योति

एआईसीटीई के नये मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर राज्य स्तरीय कार्यशाला

अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 15 फरवरी। हरियाणा की प्रधान सचिव, तकनीकी शिक्षा श्रीमती ज्योति अरोड़ा ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम को तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि नया पाठ्यक्रम सभी प्रमुख इंजीनियरिंग क्षेत्रों में मौजूदा औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। राज्य सरकार मॉडल पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है जो युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ायेगा।

अरोड़ा आज वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) द्वारा निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। एआईसीटीई द्वारा हाल ही में इंजीनियरिंग के ग्रेजुएट व पोस्ट-ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के लिए नया मॉडल पाठ्यक्रम जारी किया गया है और कार्यशाला का आयोजन नये मॉडल पाठ्यक्रम को लेकर बेहतर समझ बनाने तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस अवसर पर एआईसीटीई से प्रो. राजीव कुमार, सलाहकार-1 (पी व एपी) कार्यशाला में मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के उपरांत श्रीमती अरोड़ा ने विश्वविद्यालय में नैनो साइंस लैब का उद्घाटन किया तथा अनुसंधान कार्यों पर चर्चा की।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम में बदलाव समय की मांग है। वाईएमसीए विश्वविद्यालय ने हमेशा कौशल आधारित शिक्षा द्वारा तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में पहल की है।